2032 ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी हासिल करने की कोशिश करेगा भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। घातक कोरोना वायरस महामारी के कारण खराब हालात ठीक होने के बाद भारत 2032 में होने वाले ओलिंपिक खेलों समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी हासिल करने की कोशिश करेगा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा कि ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की प्रक्रिया में भारत भी शामिल होगा। राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के 10 साल बाद आईओए अध्यक्ष ने कहा कि उनके देश ने काफी कुछ सीखा है। उन्होंने शुक्रवार को एएफपी को बताया, हम 2026 के यूथ ओलिंपिक गेम्स और 2032 के ओलिंपिक खेलों की मेजबानी के लिए गंभीर हैं। भारत ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के बारे में लिखा है, लेकिन 2026 के आयोजन के लिए थाइलैंड, रूस और कोलंबिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। 2032 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए क्वींसलैंड (ऑस्ट्रेलिया), शंघाई और सियोल तथा प्योंगयांग के बीच भी प्रतिस्पर्धा हो सकती है। हालांकि महामारी ने सभी गतिविधियों को रोक दिया है।

अंतिम निर्णय 2025 तक

इंटरनैशनल हॉकी फेडरेशन के प्रमुख बत्रा ने कहा कि 2032 ओलिंपिक के लिए डॉक्यूमेंटेशन शुरू किया गया था लेकिन काम अभी रुक गया है। अंतिम निर्णय 2025 तक हो सकता है। उन्होंने कहा, एएक टीम है जो विभिन्न स्थानों पर जाती है और आप उनसे बात करते रहते हैं और फिर वे एक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है, मुझे लगता है कि दिसंबर तक कोई गतिविधि नहीं होगी।

सौरभ गांगुली की बदौलत मिली टीम इंडिया में एंट्रीः ऋषभ पंत

क्रिकेट

इंस्टाग्राम लाइव चौट में ऋषभ पंत ने बताई टीम इंडिया में एंट्री की बात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टीम इंडिया के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने इंटरनैशनल करियर की शुरुआत का श्रेय पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली को देते हैं। पंत ने हाल ही में अपनी आईपीएल फ्रैंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के साथ इंस्टाग्राम लाइव चौट किया था। इसमें उन्होंने सौरभ गांगुली की जमकर तारीफ की। सौरभ गांगुली वर्तमान में बीसीसीआई के अध्यक्ष हैं और इससे पहले वह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर थे। तब दादा ने पंत को उनका खेल सुधारने के कई यूजफुल टिप्स दिए, जिनसे पंत को काफी मदद मिली।

इस 22 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने बताया, श्तब सौरभ गांगुली दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर थे। उन्होंने मुझे कहा था कि मुझे शुरुआत में क्रीज पर कुछ वक्त बिताने की जरूरत है और इसके बाद मैं जो चाहूं वह कर सकता

हूं। वह हमेशा चाहते थे कि मैं अच्छा परफॉर्म करूं। उन्होंने मुझे कई चीजें बताईं, जिन्हें मैंने अपनाया और फिर कामयाबी मिली।

वह मेरे लिए जीवन बदल देने वाला सीजन (2018) साबित हुआ। मुझे भी उस मौके की जरूरत थी, जिसकी हर किसी को जरूरत होती है। गांगुली जब दिल्ली की आईपीएल टीम के मेंटॉर थे, तब पंत ने 14 मैच में 52.61 की औसत से 684 रन ठोके थे। इस लेफ्टहैंडर बल्लेबाज ने 6 हाफ सेंचुरी जड़ी थीं। यह एक सीजन में दिल्ली के किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वाधिक स्कोर था।

पंत के इस लाजवाब परफॉर्मेंस के बाद उनकी अनदेखी टीम इंडिया के राष्ट्रीय चयनकर्ता भी नहीं कर पाए और उन्हें इसके बाद जल्दी ही टीम इंडिया की जर्सी पहनने का मौका मिल गया। पंत ने बारी–बारी टी20, वनडे और फिर टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। पंत इस कामयाबी का श्रेय गांगुली को ही देते हैं।

धोनी हमेशा मदद करते हैं लेकिन पूर्ण समाधान नहीं देते

महेन्द्र सिंह धोनी को अपना मार्गदर्शक बताते हुए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा कि वर्ल्ड कप विजेता कप्तान अपने तरीके से युवा खिलाड़ियों की मदद करते हैं लेकिन किसी समस्या का पूर्ण समाधान देने की जगह खुद हल ढूढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। पंत को धोनी का उत्तराधिकारी माना जा रहा था लेकिन सीमित ओवरों के प्रारूप में लोकेश राहुल ने उनकी जगह ले ली जिससे इस युवा खिलाड़ी को अंतिम एकदश में जगह बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। पंत ने आईपीएल की अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत में कहा, वह मैदान के अंदर और बाहर मेरे मार्गदर्शक की तरह हैं।

अहंकारी खिलाड़ी पर कैसे कसते हैं लगाम ? महेला जयवर्धने ने दिया कमाल का जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। श्रीलंका के महान बल्लेबाज महेला जयवर्धने ने कहा कि टीम में अंहकार रखने वाले खिलाड़ियों का होना तब तक नुकसानदायक नहीं है, जब तक आप एक अच्छे माहौल में उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलवा लेते हैं। हाल के दिनों में जयवर्धने ने पहले कप्तान और फिर कोच के रूप में काफी सफलता प्राप्त की हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने खिलाड़ियों का समर्थन किया है।

जयवर्धने से जब पूछा गया कि वह इन 'अहंकार रखने वाले खिलाड़ियों' को कैसे संभालते थे तो उन्होंने कहा, 'यह (अहंकार) होना अच्छा है। इसमें कुछ भी

नुकसानदायक नहीं है। यह सिर्फ पहचानने और सुनिश्चित करने की बात है कि वे इसे कैसे आगे बढ़ाएं। हर किसी को इस स्तर का होना चाहिए क्योंकि वे अच्छे खिलाड़ी हैं। इसलिए आप कोशिश करते हो कि वे खुद को साबित करें। आपको सिर्फ ऐसा करने की जरूरत होती है।'

श्रीलंका के सबसे सफल कप्तानों में से एक जयवर्धने ने कहा, 'यह सभी खिलाड़ियों से पेशेवर तरीके से और सम्मानजनक तरीके से बात करना होता है। यही टीम संस्कृति होती है जो आप बनाते हो।' उन्होंने कहा, 'एक बार आप यह संस्कृति बनाते हो तो किसी एक के लिए इससे आगे जाना मुश्किल हो जाता है।'

जयवर्धने ने कहा, 'बाकी के खिलाड़ी उस व्यक्ति को ग्रुप स्तर से नीचे ले आएंगे। अगर आपने ऐसा अच्छा माहौल नहीं बनाया है तो आपको समस्या हो सकती है क्योंकि इसमें कोई सीमाएं नहीं होती।' उनके मार्गदर्शन में मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले तीन चरण में से दो में खिताब अपने नाम किया।

आईपीएल के पिछले तीन चरण में से दो में खिताब अपने नाम किया

श्रीसंत ने बताया, कौन तोड़ सकता है रोहित का 264 वाला वर्ल्ड रेकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरोना वायरस के कारण खेल जगत से जुड़ी तमाम गतिविधियां ठप हैं और ऐसे में क्रिकेट जगत की दिग्गज हस्तियां सोशल मीडिया पर फैंस से जुड़ रही हैं। इसी बीच पेसर एस. श्रीसंत ने भी श्हेलोश ऐप पर एक वीडियो सेशन में हिस्सा लिया।

श्रीसंत से पूछा गया कि टीम इंडिया के स्टार ओपनर और सीमित ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा का वनडे में 264 का वर्ल्ड रेकॉर्ड कौन तोड़ सकता है। उन्होंने इसके जवाब में कहा, वह तो शायद रोहित ही हैं जो खुद अपने इस रेकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। वह वनडे क्रिकेट में ट्रिपल सेंचुरी लगाने के लिए सबसे बेहतर क्रिकेटर लगते हैं। उन्होंने आगे कहा, श्भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली और ओपनर लोकेश राहुल भी इस रेकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स भी रोहित के इस वर्ल्ड रेकॉर्ड को तोड़ने की काबिलियत रखते हैं।

वनडे इंटरनैशनल क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का वर्ल्ड रेकॉर्ड 264 रन है जो रोहित ने 13 नवंबर 2014 को श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में बनाया था।

न्यूज डायरी

कभी वसीम अकरम बनना चाहते थे कुलदीप यादव, कोच कहा संभव नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा चाइनामैन बोलर कुलदीप यादव कभी फास्ट बोलर वसीम अकरम से बेहद प्रभावित थे। स्विंग के सुल्तान वसीम अकरम की तरह कुलदीप भी लेफ्ट आर्म बोलिंग करते थे और उन्हें लगता था कि बस अब खुद को अकरम की तरह मांझना है और फिर वह भी क्रिकेट की दुनिया में अपनी स्विंग बोलिंग का परचम लहराएंगे। लेकिन उनका यह सपना बचपन के कोच कपिल पांडे ने शुरुआत में ही तोड़ दिया। कुलदीप कपिल पांडे की अकैडमी में एडमिशन के लिए आए थे और उन्होंने अपने कोच को अपने इस सपने के बारे में बताया कि मैं वसीम अकरम बनना चाहता हूं। लेकिन कपिल ने तुरंत ही कह दिया कि वह तो तुम कभी नहीं बन सकते। यह सुनकर कुलदीप निराश हुए और बोले मैं भी गेंद को स्विंग कराता हूं फिर क्यों नहीं।

सुरेश रैना बने टी20 इंटरनैशनल में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। क्रिकेट इतिहास में शनिवार की तारीख दिग्गज सुरेश रैना और भारतीय फैंस के लिए काफी मायने रखती है क्योंकि 10 साल पहले रैना ने खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में सेंचुरी जड़ी थी। तब रैना टी20 इंटरनैशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बने। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आईसीसी वर्ल्ड टी20 के दौरान सेंट लूसिया के ग्रोस आइलेट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। इस मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। रैना पारी के पहले ही ओवर में क्रीज पर आए क्योंकि भारत ने सलामी बल्लेबाज मुरली विजय को जल्दी खो दिया। रैना ने 60 गेंदों पर 101 रनों की शानदारी पारी खेली। रैना की पारी में 9 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। पूर्व धुरंधर युवराज सिंह (30 रन पर 37) ने रैना के साथ तीसरे विकेट के लिए 88 रनों की साझेदारी की और भारत को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया।

2010 में मिली थी एक के बाद एक कई हार, संन्यास लेना चाहते थे नोवाक जोकोविच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मिलान। विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि वह रोजर फेडरर और राफेल नडाल जैसे दिग्गजों की चुनौती से पार नहीं पाने के कारण 2010 में संन्यास के बारे में सोच रहे थे। जोकोविच ने 2008 में ऑस्ट्रेलिया ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था। तब वह रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज थे। इसके बाद 2010 में उनका बुरा दौर आया और वह फ्रेंच ओपन के क्वॉर्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जुर्गेन मेलजेर से हार गए। उन्होंने एक चौट में कहा, 'यह हार मेरे लिए भावनात्मक रूप से मुश्किल थी। मैं टूर्नमेंट से बाहर होने के बाद रो रहा था। यह खराब क्षण था, कुछ समझ नहीं आ रहा था और मैं टेनिस छोड़ना चाह रहा था।' उन्होंने कहा, 'मैं इससे जरूरी मैचों में फेडरर और नडाल से हारा था लेकिन मेलजेर से मिली हार मेरे लिए 'टर्निंग पॉइंट' था।'

ट्विटर पर रवि शास्त्री ने छेड़ा यादों का तराना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच और पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने ट्विटर पर अपनी कुछ पुरानी यादें ताजा की हैं। अपने ट्विटर अकाउंट पर शास्त्री ने वेस्ट इंडीज के दो दिग्गज खिलाड़ी सर विवियन रिचर्ड्स और मेल्कम मार्शल के साथ अपनी दो तस्वीरें साझा की हैं। अपने इस ट्वीट में भारत के इस कोच ने वेस्ट इंडीज के इन दो दिग्गज खिलाड़ियों का पूरा नाम लिखा और इनके साथ बिताए अपने समय को सौभाग्य और सम्मान करार दिया है। रवि शास्त्री ने इन दो तस्वीरों को कैप्शन दिया है, भाइयों के साथ। वे दिग्गज जिनके खिलाफ मैं खेला। शास्त्री ने इसके आगे लिखा, मेल्कम डेंजिल मार्शल और सर इसाक विवियन ऐलेकजेंडर रिचर्ड के साथ– सौभाग्य और सम्मान है। सर विवियन रिचर्ड्स को क्रिकेट की महान विभूतियों में गिना जाता है। इस महान बल्लेबाज ने वेस्ट इंडीज के लिए 121 टेस्ट और 187 वनडे मैच खेले। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 50.23 की औसत से कुल 8540 रन दर्ज हैं। रिचर्ड पुराने दौर में बेखौफ और विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर थे।